हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(वसंत)(पाठ 18)(सृंजय – टोपी)
(कक्षा 8)

प्रश्न अभ्यास

कहानी से

प्रश्न 1:
गवरइया और गवरा के बीच किस बात पर बहस हुई और गवरइया को अपनी इच्छा पूरी करने का अवसर कैसे मिला?

उत्तर 1:
गवरइया और गवरा के बीच आदमी के कपड़ों को लेकर बहस हुई गवरइया बोली आदमी को देखते हो? कैसे रंग–बिरंगे कपड़े पहनते हैं! कितना फबता है उन पर कपड़ा! गवरा तपाक से बोला, खाक फबता है! कपड़ा पहन लेने के बाद तो आदमी और बदसूरत लगने लगता है। कपड़े पहन लेने के बाद आदमी की कुदरती खूबसूरती ढँक जो जाती है। अब तू ही सोच! अभी तो तेरी सुघड़ काया का एक–एक कटाव मेरे सामने है, रोंवें–रोंवें की रंगत मेरी आँखों में चमक रही है। अब अगर तू मानुस की तरह खुद को सरापा ढँक ले तो तेरी सारी खूबसूरती ओझल हो जाएगी कि नहीं ? गवरइया बोली, आदमी कपड़े केवल अच्छा लगने के लिए नहीं, मौसम की मार से बचने के लिए भी पहनता है

प्रश्न 2:
गवरइया और गवरे की बहस के तर्कों को एकत्र करें और उन्हें संवाद के रूप में लिखें।

उत्तर 2:
- गवरइया – आदमी को देखते हो? कैसे रंग–बिरंगे कपड़े पहनते हैं।
- गवरा – कपड़ा पहन लेने के बाद तो आदमी और बदसूरत लगने लगता है।
- गवरइया – लगता है आज लटजीरा चुग गए हो?
- गवरा – कपड़े पहन लेने के बाद आदमी की कुदरती खूबसूरती ढँक जाती है।
- गवरइया – आदमी कपड़े केवल अच्छा लगने के लिए नहीं, मौसम की मार से बचने के लिए भी पहनता है।
- गवरा – तू समझती नहीं कपड़ा पहनते ही पहननेवाले की औकात पता चल जाती है।
- गवरइया – मेरा मन टोपी पहनने का करता है।
- गवरा – टोपी तू कहाँ से पाएगी?

प्रश्न 3:
टोपी बनवाने के लिए गवरइया किस किस के पास गई? टोपी बनने तक के एक–एक कार्य को लिखें।

उत्तर 3:
गवरइया टोपी बनवाने के लिए सबसे पहले धुनिया के पास गई उससे रुई धुनवाई उसके बाद कोरी के पास गई उससे सूत कतवाया, उसके बाद वह बुनकर के पास गई उससे कपड़ा बनवाया। कपड़ा बनने के बाद वह दर्जी के पास गई उसने उस कपड़े से उसके लिए दो सुन्दर टोपियाँ सिल दीं। दर्जी ने एक टोपी अपने पास रखकर एक टोपी गवरइयो को दे दी।

प्रश्न 4:
गवरइया की टोपी पर दर्जी ने पाँच फुँदने क्यों जड़ दिए?
उत्तर 4:
दर्जी से राजा और उसके सेवक बेगार में कपड़े सिलवाते थे। लेकिन गवरइया ने दर्जी को सिलाई के रूप में अपना आधा कपड़ा दे दिया था इसी से खुश होकर दर्जी ने उसकी टोपी में पॉच फुँदने जड़ दिए।

कहानी से आगे

प्रश्न 1:
किसी कारीगर से बातचीत कीजिए और परिश्रम का उचित मूल्य नहीं मिलने पर उसकी प्रतिक्रिया क्या होगी? ज्ञात कीजिए और लिखिए।
उत्तर 1:
हर कोई मेहनत करके खाना चाहता है। जब किसी भी व्यक्ति को उसके परिश्रम का पूरा पैसा नहीं मिलता तो उसे बहुत दुःख होता है। इस समाज में बहुत से लोग ऐसे है जों फ्री में अपना काम करवाना चाहते हैं। मगर वे यह भूल जाते हैं कि यदि उनके साथ भी ऐसा ही किया जाए तो उन्हें कैसा लगेगा।

प्रश्न 2:
गवरइया की इच्छा पूर्ति का क्रम घूरे पर रुई के मिल जाने से प्रारंभ होता है। उसके बाद वह क्रमशः एक–एक कर कई कारीगरों के पास जाती है और उसकी टोपी तैयार होती है। आप भी अपनी कोई इच्छा चुन लीजिए। उसकी पूर्ति के लिए योजना और कार्य–विवरण तैयार कीजिए।
उत्तर 2:
छात्र अपने किसी कार्य को मन में सोचकर उसकी कार्यप्रणाली स्वयं तैयार करेंगे।

प्रश्न 3:
गवरइया के स्वभाव से यह प्रमाणित होता है कि कार्य की सफलता के लिए उत्साह आवश्यक है। सफलता के लिए उत्साह की आवश्यकता क्यों पड़ती है, तर्क सहित लिखिए।
उत्तर 3:
किसी भी कार्य को जितने उत्साह से किया जाएगा उसमें सफलता भी उतनी ही मिलेगी जैसे कि गवरइया के साथ हुआ उसने पूरी लगन और उत्साह से कार्य किया और उसकी मनपसंद टोपी उसे तैयार होकर मिल गईं।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1:
टोपी पहनकर गवरइया राजा को दिखाने क्यों पहुँची जबकि उसकी बहस गवरा से हुई और वह गवरा के मुँह से अपनी बड़ाई सुन चुकी थी। लेकिन राजा से उसकी कोई बहस हुई ही नहीं थी। फिर भी वह राजा को चुनौती देने पहुँची। कारण का अनुमान लगाइए।

उत्तर 1:
गवरइया राजा को अनी टोपी इसलिए दिखाने के लिए पहॅुची क्योंकि उसकी टोपी राजा की टोपी से भी अच्छी थी। उसकी टोपी बनाने में कारीगरों को उनकी पूरी मेहनत के पैसे मिले थे जबकि राजा और उसके आदमी मेहनत के पूरे पैसे नहीं देते थे।

प्रश्न 2:
यदि राजा के राज्य के सभी कारीगर अपने–अपने श्रम का उचित मूल्य प्राप्त कर रहे होते तब गवरइया के साथ उन कारीगरों का व्यवहार कैसा होता?

उत्तर 2:
यदि राजा के राज्य के सभी कारीगर अपने–अपने श्रम का उचित मूल्य प्राप्त कर रहे होते तब वे गवरइया के साथ प्यार से बात करते उन्हें लग रहा था कि यह भी बेगार में काम करवाने के लिए आई है।

प्रश्न 3:
चारों कारीगर राजा के लिए काम कर रहे थे। एक रजाई बना रहा था। दूसरा अचकन के लिए सूत कात रहा था। तीसरा बागा बुन रहा था। चौथा राजा की सातवीं रानी की दसवीं संतान के लिए झब्बे सिल रहा था। उन चारों ने राजा का काम रोककर गवरइया का काम क्यों किया?

उत्तर 3:
चारों कारीगरों ने राजा का काम छोड़कर गवरइया का काम इसलिए किया क्योंकि उन्हे अपनी मजदूरी से ज्यादा पैसा मिल रहा था वह भी खुशी–खुशी।

भाषा की बात

प्रश्न 1:
गाँव की बोली में कई शब्दों का उच्चारण अलग होता है। उनकी वर्तनी भी बदल जाती है। जैसे गवरइया गौरैया का ग्रामीण उच्चारण है। उच्चारण के अनुसार इस शब्द की वर्तनी लिखी गई है। फुँदना , फुलगेंदा का बदला हुआ रूप है। कहानी में अनेक शब्द हैं जो ग्रामीण उच्चारण में लिखे गए हैं,जैस– मुलुक–मुल्क, खमा–क्षमा, मजूरी–मजदूरी, मल्लार–मल्हार इत्यादि। आप क्षेत्रीय या गाँव की बोली में उपयोग होने वाले कुछ ऐसे शब्दों को खोजिए और उनका मूल रूप लिखिए, जैस– टेम–टाइम, टेसन/टिसन–स्टेशन।

उत्तर 1:
बच्चे अपनी अपनी घरेलू भाषा के कुछ भाब्द और उनके प्रचलित रूप की एक तालिका तैयार करेंगे।

प्रश्न 2:

मुहावरों के प्रयोग से भाषा आकर्षक बनती है। मुहावरे वाक्य के अंग होकर प्रयुक्त होते हैं। इनका अक्षरशः अर्थ नहीं बल्कि लाक्षणिक अर्थ लिया जाता है। पाठ में अनेक मुहावरे आए हैं। टोपी को लेकर तीन मुहावरे हैं। जैस–कितनों को टोपी पहनानी पड़ती है। शेष मुहावरों को खोजिए और उनका अर्थ ज्ञात करने का प्रयास कीजिए।

उत्तर 2:

टोपी उछालना – बेइज्जती करना

टोपी ढंकना – इज्जत बचाना।